XISS-CROPC में करार: वज्रपात से होने वाली क्षति रोकने के लिए मिलकर करेंगे काम

स्वास्थ्य मंत्री बोले- प्रभावित स्थलों का चयन हो चुका है, लगाए जाएंगे राडार

सिटी रिपोर्टर | रांची

एक्सआईएसएस के ग्रामीण प्रबंधन विभाग ने नई दिल्ली की क्लाइमेट रेजिलिएंस आब्जर्विंग प्रमोशन काउंसिल (सीआरओपीसी) के साथ मिलकर मंगलवार को वज्रपात प्रबंधन पर परामर्श सह कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता बन्ना गुप्ता ने कहा कि लाइटनिंग को लेकर लोगों में जागरूकता लाना महत्वपूर्ण है, ताकि हम इसके नुकसान को कम कर सकें और इसे ऊर्जा स्रोत के रूप में इस्तेमाल कर सकें। सरकार ने लोग को जागरूक करने के लिए

आपदा मित्र योजना, एनडीआरएफ और एसटीआरएफ प्रशिक्षण शुरू किया है। वज्रपात के प्रभाववाले क्षेत्रों का चयन किया है, वहां राडार लगाए जाएंगे। मौके पर एक्सआईएसएस और सीआरओपीसी के बीच एमओयू हुआ। इसके तहत आपदा प्रबंधन के लिए नॉलेज पार्टनरशिप और एक्शन-ओरिएंटेड गतिविधियां राज्यभर में चलाई जाएगी। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मारियनुस कुजूर ने कहा, बिजली गिरना झारखंड में सबसे बड़ी आपदा है, इससे सालभर में 350 से अधिक जानें गई हैं। मौके पर एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. निरंजन साहू, आईएमडी रांची के निदेशक डॉ. अभिषेक आनंद आदि उपस्थित थे।

90% आदिवासी प्रभावित

सीआरओपीसी के अध्यक्ष कर्नल संजय श्रीवास्तव ने कहा, झारखंड वज्रपात से 96% ग्रामीण प्रभावित हुए हैं, इनमें 90% आदिवासी किसान थे। दामिनी ऐप बचाव में कारगर है।

DAINIK BHASKAR

एक्सआइएसएस. कार्यशाला में बोले स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता

वज्रपात की सूचना ग्रामीणों को 24 घंटे पहले मिले, तो कम होगी मृत्यु

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

झारखंड जल, जंगल और जमीन पर आश्रित है. राज्य में वज्रपात को खतरा बताया जाता है, जबकि ऐसा नहीं है. मौसम विभाग की ओर से ग्रामीणों को वज्रपात की जानकारी 24 घंटे पहले पहुंचायी जाये, तो मृत्यु दर कम की जा सकेगी. यह बात स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने मंगलवार को एक्सआइएसएस में आयोजित कार्यशाला में कही.

उन्होंने कहा कि वज्रपात से जमीन में नाइट्रोजन की पूर्ति होती है. इससे खेत उपजाऊ बनता है. जानकारी के अभाव में ग्रामीण क्षेत्र में किसान और पशुधन की मौत होती है. यह नहीं हो, इसके लिए आपदा प्रबंधन विभाग विमर्श कर रहा है. मौसम विभाग सही पूर्वानुमान कर सके, इसके लिए रडार की व्यवस्था जल्द की जायेगी. बिजली पोल में लगे चीनी मिट्टी के इंसुलेटर को फाइबर में बदला जा रहा है. स्कूलों में लगे तड़ित चालक को बदलने का काम हो रहा है. साथ ही नेटवर्क कंपनियों को चर्चा की जा रही है कि कैसे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक समय रहते मौसम का पूर्वानुमान पहुंचाया जा सके.

कार्यक्रम में शामिल स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता व अन्य.

मौके पर क्लाइमेट रेजिलिएंस ऑब्जर्विंग प्रमोशन काउंसिल (सीआरओपीसी), नयी दिल्ली के चेयरमैन कर्नल संजय श्रीवास्तव ने कहा कि वज्रपात से होनेवाली मौतों को टाला जा सकता है. इसके लिए राज्य के अस्पतालों में बेहतर मेडिकल सुविधा देनी होगी. एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर एसजे ने बताया कि सीआरओपीसी के साथ राज्य भर में आपदा प्रबंधन कार्यक्रम चलाया जायेगा. नॉलेज पार्टनरशिप और एक्शन-ओरिएंटेड गतिविधियों के साथ आपदा प्रबंधन के उपायों पर शोध हो सकेंगे. इससे वज्रपात से होने वाले नुकसान से लोगों को बचाना आसान होगा.

मौसम विभाग के ऐप की दी जानकारी

मौसम विभाग के प्रभारी निदेशक डॉ अभिषेक आनंद ने वज्रपात के कारण, बादल के पैटर्न और इसके पूर्वानुमान से संबंधित जानकारी साझा की. उन्होंने विद्यार्थियों को मौसम के पूर्वानुमान के लिए तैयार मोबाइल ऐप- मौसम, उमंग, दामिनी और सचेत की जानकारी दी. इस अवसर पर उप निदेशक प्रदीप केरकेट्टा, रूरल मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ निरंजन साहू, डीन एकेडमिक्स डॉ अमर तिग्गा, डॉ राजश्री वर्मा आदि मौजूद थे.

PRABHAT KHABAR

एक्सआइएसएस : कार्यशाला में बिजली गिरने से होने वाली मौतों की रोकथाम पर हुई चर्चा

जासं, रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम ने क्लाइमेट रेजिलिएंस आब्जर्विंग प्रमोशन काउंसिल नई दिल्ली के साथ बिजली की तैयारी, पूर्व चेतावनी और इसके प्रसार, शमन और अनुसंधान आधारित सामुदायिक केंद्रित समाधानों, जलवायु के सहयोग से आदिवासियों पर केंद्रित परामर्श सह कार्यशाला का आयोजन किया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री बन्ना गुप्ता ने ट्राइबल लाइटनिंग रेजिलिएंस प्रोग्राम पर चर्चा की। कहा कि यह सराहनीय है कि एक्सआईएसएस ने लाइटनिंग पर बात करने के लिए सेमिनार का आयोजन किया है।

लोगों में जागरूकता लाना महत्वपूर्ण है ताकि हम वज्रपात से हो रही दुर्घटनाओं को कम कर सकें।

आयोजन में शामिल मंत्री बन्ना गुप्ता व अन्य • जागरण

इसे ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग कर सकें। लोगों में जागरूकता लाने के लिए सरकार की पहल जैसे आपदा मित्र योजना, एनडीएफआर और एसटीआरएफ पर प्रशिक्षण शुरू किया गया है। वज्रपात के प्रभाव को दर्शाने के लिए उचित स्थानों पर रडार संस्थापन करने के लिए आईटी का प्रभावी तौर से उपयोग के साथ जोन चयन किया गया है। राज्य भर में आपदा प्रबंधन कार्यक्रम चलाने के लिए नालेज पार्टनरशिप और एक्शन-ओरिएंटेड गतिविधियों के लिए एक्सआईएसएस और सीआरओपीसी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया गया है। कार्यशाला में 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

DAINIK JAGRAN

the pioneer
Wednesday, 23 November 2022

Rural Management Programme organized a Consultation-cum-Workshop on Lightning Preparedness, Early Warning and its Dissemination, Mitigation, and Research-Based Community Centric Solutions with special focus on Tribals in Collaboration with Climate Resilience Observing Promotion Council (CROPC), New Delhi on Tuesday in its campus.

Minister for Disaster Management, Banna Gupta, discussed the Tribal Lightning Resilience Programme and said, “It is a great thing that XISS have organised this seminar to talk about lightning, which is such an important topic. It is important to bring awareness to the people so that we can prevent casualties from lightning and utilize it in the form of an energy source. Government initiatives like Aapda Mitra Scheme, NDFR & STRF training have been introduced to bring awareness to the people. Zone selection with the effective utilisation of IT to have radar installation at proper places for depicting the lightning effects.”

An Memorandum of Understanding (MOU) was signed between XISS and CROPC for knowledge partnership and action-oriented activities in undertaking Disaster Management Programmes across the state. Earlier in the event Dr Joseph Marianus Kujur, Director XISS gave a welcome address where he highlighted saying, “Lightning is the biggest killer disaster in Jharkhand with claiming 350 lives in the past year, as national data depicts. Global warming, intense mining induced pollution, depletion of water bodies, deforestation are few of the factors that comprise this issue. Entering in an Memorandum of Understanding (MoU) with CROPC, XISS will focus on strengthening knowledge partnership, research, training, and advocacy, for lightening resilience in Jharkhand.”

Back To TOP

PIONEER

Govt to focus on prevention of causalities from lightening : Banna Gupta

RANCHI: An MOU signed between XISS and CROPC for knowledge partnership and action-oriented activities in undertaking Disaster Management Programmes across the state.

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi and its Rural Management Programme organized a Consultation-cum-Workshop on Lightening Preparedness, Early Warning and its Dissemination, Mitigation, and Research-Based Community Centric Solutions with special focus on Tribals in Collaboration with Climate Resilience Observing Promotion Council (CROPC), New Delhi on Tuesday on campus.

Banna Gupta, Minister for Disaster Management, Government of Jharkhand discussed the Tribal Lightning Resilience Programme and said, "It is a great thing that XISS have organised this seminar to talk about lightening, which is

such an important topic.

It is important to bring awareness to the people so that we can prevent causalities from lightening and utilise it in the form of an energy source.

Government initiatives like Aapda Mitra Scheme, NDFR & STRF training have been introduced to bring awareness to the people. Zone selection with the effective utilisation of IT to have radar installation at proper places for depicting the lightening effects."

An Memorandum of Understanding (MOU) was signed between XISS and CROPC for knowledge partnership and action-oriented activities in undertaking Disaster Management Programmes across the state.

Earlier in the event Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director XISS gave a welcome address where he highlighted saying, "Lightning is the biggest killer disaster in Jharkhand with claiming 350 lives in the past year, as national data depicts. Global warming, intense mining induced pollution, depletion of water bodies, deforestation are few of the factors that comprise to this issue.

Entering in an Memorandum of Understanding (MoU) with CROPC, XISS will focus on strengthening knowledge partnership, research, training, and advocacy, for lightening resilience in Jharkhand" he added.

This was followed by an introductory speech by Dr Niranjan Sahoo, Associate Professor, XISS who set the tone of the consultation-cum-workshop and its importance in the state.

The workshop aimed at strengthening the lightning resilience capacity of local communities, specially of tribal of all districts of Jharkhand. The special focus was on tribal population involved in livelihood activities in agriculture field, jungles, near water bodies and open fields. The workshop was attended by around 200 participants comprising Bureaucrats, Professors, Practitioners from the field and Rural Management students of XISS.

MORNING INDIA

वज्रपात से मौत की रोकथाम पर होगा सरकार का फोकस : बन्ना गुप्ता

आपदा प्रबंधन में नॉलेज पार्टनरशिप और एक्शन-ओरिएंटेड गतिविधि शुरू करने को एक्सआइएसएस व सीआरओपीसी के बीच एमओयू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआइएसएस) के रुरल मैनेजमेंट प्रोग्राम ने क्लाइमेट रेजिलिएंस ऑब्जर्विंग प्रमोशन काउंसिल (सीआरओपीसी), नयी दिल्ली के साथ बिजली की तैयारी, पूर्व चेतावनी और इसके प्रसार, शमन और अनुसंधान-आधारित सामुदायिक केंद्रित समाधानों, जलवायु के सहयोग से आदिवासियों पर विशेष ध्यान पर मंगलवार को इंस्टीट्यूट के सभागार में एक परामर्श-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया।

बन्ना गुप्ता, आपदा प्रबंधन मंत्री, झारखंड सरकार ने इस मौके पर ट्राइबल लाइटनिंग रेजिलिएंस प्रोग्राम पर चर्चा की। कहा यह अच्छी बात है कि लाइटनिंग पर बात करने के लिए एक्सआइएसएस ने इस सेमिनार का आयोजन किया है, जो अपने आप में महत्वपूर्ण विषय है। लोगों में जागरूकता लाना महत्वपूर्ण है ताकि हम वज्रपात से हो रही दुर्घटनाओं को कम कर सकेंऔर इसे ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग कर सकें।लोगों में जागरूकता लाने के लिए सरकार की पहल जैसे आपदा मित्र योजना, एनडीएफआर और एसटीआरएफ प्रशिक्षण शुरू किया गया है। वज्रपात के प्रभाव को दर्शाने के लिए उचित स्थानों पर रेडार संस्थापन करने के लिए आईटी का प्रभावी तौर से उपयोग के साथ जोन चयन किया गया है। राज्य भर में आपदा प्रबंधन कार्यक्रम चलाने के लिए नॉलेज पार्टनरशिप और एक्शन-ओरिएंटेड गतिविधियों के लिए एक्सआइएसएस और सीआरओपीसीके बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए।

वज्रपात झारखंड में सबसे बड़ी विनाशकारी आपदा : एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एससजे ने इस मौके पर स्वागत भाषण किया। कार्यशाला के विषय पर बोलते हुए डॉ कुजूर ने कहा कि बिजली (वज्रपात) झारखंड में सबसे बड़ी विनाशकारी आपदा है, जो पिछले एक साल में 350 सेअधिक जानें ले चुकी है, जैसा कि राष्ट्रीय डेटा दर्शाता है। ग्लोबल वार्मिंग, तीव्र खनन प्रेरित प्रदूषण, जल निकायों की कमी, वनों की कटाई कुछ ऐसे कारक हैं जो इस मुद्दे को और गंभीर बनाते हैं। सीआरओपीसीके साथ एमओयू करते हुए, एक्सआईएसएस झारखंड में नॉलेज पार्टनरशिप, एक्शन-ओरिएंटेड गतिविधियों, अनुसंधान, और प्रशिक्षण को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

विद्युत प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना कार्यशाला का उद्देश्य : डॉ निरंजन साहू, एसोसिएट प्रोफेसर, एक्सआईएसएस ने अपने संबोधन में इस परामर्श-सह-कार्यशाला और इसके महत्व पर जोर दिया। कार्यशाला का उद्देश्य स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से झारखंड के सभी जिलों के आदिवासियों की विद्युत प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना है। कृषि क्षेत्र, जंगलों, जल निकायों के पास और खुले खेतों में आजीविका गतिविधियों में शामिल जनजातीय आबादी पर इस कार्यशाला के दौरान विशेष ध्यान दिया गया। कार्यशाला में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें अधिकारीगण, संस्थान के फैकल्टी, इन विषयों से सम्बंधित विशेषज्ञ, और एक्सआईएसएस के ग्रामीण प्रबंधन के छात्र शामिल थे।

मानव व जानवरों की मृत्यु दर को कम करना संगठन का उद्देश्य : सीआरओपीसीके अध्यक्ष कर्नल संजय श्रीवास्तव ने कार्यशाला के महत्व और एक्सआईएसएस के साथ के एमओयू पर हस्ताक्षर की जानकारी दी। कहा कि झारखंड देश का सबसे अधिक आकाशीय बिजली गिरने वाला क्षेत्र है। आकाशीय बिजली से बचने के लिए हमने स्थान, समय, माह और स्थान आधारित प्रणाली की उपलब्धता की मैपिंग की है। संगठन का उद्देश्य मानव और जानवरों की मृत्यु दर को कम करना है।आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार बिजली गिरने से 96 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र प्रभावित हुए हैं, जिनमेंसे 90% आदिवासी किसान थे । इसका उद्देश्य किसानों की मृत्यु को रोकना है।राज्य के सुदूर इलाकों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचने के लिए हमने दामिनी ऐप पेश किया है।

आईएमडी रांची के निदेशक डॉ अभिषेक आनंद ने पूरे राज्य में बिजली गिरने और आँधी-तूफान के पूर्वानुमान पर बात की, डॉ ए चट्टद ,निदेशक, जनजातीय अनुसंधान संस्थान, झारखण्ड सरकार ने बिजली गिरने की घटनाओं के दौरान झारखंड के आदिवासियों के जीवन की बिजली से सुरक्षा के उपायों पर चर्चा की। एक्क्लाइन धुंगरू, गुजरात के निदेशक रंधन भद्रा ने लाइटनिंग सेफ्टी में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला। जबकि, वर्ल्ड विजन इंडिया की सुश्री रेखा पूर्णिमा खलखो और सुश्री शिल्पी ने आवास, आजीविका, लिंग और जनजातीय समुदायों के बच्चों पर ध्यान देने के साथ लाइटनिंग रेजिलिएंस के बारे में बातें रखीं। जनजातीय क्षेत्रों के लिए बिजली संरक्षण उपकरणों का प्रदर्शन सरवन कृष्ण डी, सीआईकेआईटी इलेक्ट्रिकल्स, चेन्नई द्वारा दिया गया था। दर्शकों के लिए इंटरएक्टिव सत्र हुआ, जिसमें संस्थान के कार्यक्रमों के सभी प्रमुखों और फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया। सत्र का समापन डॉ अनंत कुमार, हेड, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ और कार्यक्रम का संचालन डॉ राज श्री वर्मा, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया।

KHABAR MANTRA

एक्सआईएसएस और सीआरओपीसी के बीच एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

बिजली गिरने से होने वाली मौतों की रोकथाम पर राज्य सरकार ध्यान केंद्रित करेगी और इसे ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग करेगी: बन्ना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम ने क्लाइमेट रेजिलिएंस ऑब्जर्विंग प्रमोशन काउंसिल (सीआरओपीसी), नई दिल्ली के साथ बिजली की तैयारी, पूर्व चेतावनी और इसके प्रसार, शमन और अनुसंधान-आधारित सामुदायिक केंद्रित समाधानों, जलवायु के सहयोग से आदिवासियों पर विशेष ध्यान पर एक परामर्श-सह-कार्यशाला का आयोजन किया मंगलवार को अपने कैंपस में किया। बन्ना गुप्ता, आपदा प्रबंधन मंत्री, झारखंड सरकार ने ट्राइबल लाइटनिंग रेजिलिएंस प्रोग्राम पर चर्चा की और कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि एक्सआईएसएस ने लाइटनिंग पर बात करने के लिए इस सेमिनार का

आयोजन किया है, जो इतना महत्वपूर्ण विषय है। लोगों में जागरूकता लाना महत्वपूर्ण है ताकि हम वज्रपात से हो रही दुर्घटनाओं को कम कर सकें और इसे ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग कर सकें। लोगों में जागरूकता लाने के लिए सरकार की पहल जैसे आपदा मित्र योजना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ प्रशिक्षण शुरू किया गया है। वज्रपात के प्रभाव को दर्शाने के लिए उचित स्थानों पर रेडार संस्थापन करने के लिए आईटी का प्रभावी तौर से उपयोग के साथ जोन चयन किया गया है। राज्य भर में आपदा प्रबंधन कार्यक्रम चलाने के लिए नॉलेज पार्टनरशिप और एक्शन-ओरिएंटेड गतिविधियों के लिए एक्सआईएसएस और सीआरओपीसी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। इससे पहले कार्यक्रम में एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने एक स्वागत भाषण दिया, जहां उन्होंने कहा, बिजली झारखंड में सबसे बड़ी विनाशकारी आपदा है, जो पिछले एक साल में 350 से अधिक जानें ले चुकी है, जैसा कि राष्ट्रीय डेटा दर्शाते है। ग्लोबल वार्मिंग, तीव्र खनन प्रेरित प्रदूषण, जल निकायों की कमी, वनों की कटाई कुछ ऐसे कारक हैं जो इस मुद्दे को और गंभीर बनाते हैं। सीआरओपीसी के साथ एमओयू करते हुए, एक्सआईएसएस झारखंड में नॉलेज पार्टनरशिप, एक्शन-ओरिएंटेड गतिविधियों, अनुसंधान, और प्रशिक्षण को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके बाद डॉ निरंजन साहू, एसोसिएट प्रोफेसर, एक्सआईएसएस द्वारा जानकारी साझा की गयी जिसमें उन्होंने इस परामर्श-सह-कार्यशाला और इसके महत्व का स्वर निर्धारित किया।

RASHTRIYA NAVEEN MAIL

Jharkhand govt to prevent causalities from lightening, utilise it as energy, says Banna Gupta

XISS organises workshop on lightning preparedness, early warning dissemination, and research

by Lagatar News — 22/11/2022 AA

SHUBHANGI SHIFA

Ranchi, Nov 22: The Xavier Institute of Social Science (XISS) and its Rural Management Programme in collaboration with the Climate Resilient Observing System Promotion Council (CROP-C) on Tuesday organised a workshop on 'Lightning preparedness, Early warning and its dissemination, Mitigation and research-based community-centric solutions' under the Jharkhand Tribal Lightning Resilience Programme.

LAGATAR

व्रजपात को ऊर्जा स्त्रोत के रूप में उपयोग करने की जरूरत : बन्ना

हिन्दुस्तान टीम - बीता हुआ कल अ 8:40

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम की ओर से क्लाइमेट रेजिलिएंस ऑब्जर्विंग प्रमोशन काउंसिल (सीआरओपीसी) नई दिल्ली के साथ वज्रपात, पूर्व चेतावनी, शमन व अनुसंधान आधारित सामुदायिक केंद्रित समाधानों, जलवायु के सहयोग से आदिवासियों पर विशेष ध्यान विषय पर मंगलवार को कार्यशाला का आयोजन किया। मुख्य अतिथि आपदा प्रबंधन मंत्री बन्ना गुप्ता मौजूद थे। उन्होंने कहा कि लोगों में जागरुकता लाना महत्वपूर्ण है, ताकि हम वज्रपात से हो रही दुर्घटनाओं को कम कर सकें और इसे ऊर्जा स्त्रोत के रूप में उपयोग कर सकें। उन्होंने बताया कि लोगों में जागरूकता लाने के लिए सरकार ने आपदा मित्र योजना, एनडीएफआर और एसटीआरएफ प्रशिक्षण शुरू किया गया है। वज्रपात के प्रभाव को दर्शाने के लिए उचित स्थानों पर रेडार संस्थापन करने के लिए आईटी का प्रभावी तौर से उपयोग के साथ जोन चयन किया गया है।

MSN

बिजली गिरने से होने वाली मौतों की रोकथाम पर सरकार ध्यान केंद्रित करेगी : बन्ना गुप्ता

ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग करेगी

रांची। राज्य में आपदा प्रबंधन कार्यक्रमों में नॉलेज पार्टनरशिप और एक्शन–ओरिएंटेड गतिविधियों को शुरू करने के लिए एक्सआईएसएस और सीआरओपीसी के बीच एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए गए। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम ने क्लाइमेट रेजि. लिएंस ऑब्जर्विंग प्रमोशन काउंसिल (सीआरओपीसी), नई दिल्ली के साथ बिजली की तैयारी, पूर्व चेतावनी और इसके प्रसार, शमन और अनुसंधान–आधारित सामुदायिक केंद्रित समाधानों, जलवायु के सहयोग से आदिवासियों पर विशेष ध्यान पर एक परामर्श–सह–कार्यशाला का आयोजन किया मंगलवार को अपने कैंपस में किया। बन्ना गुप्ता, माननीय आपदा प्रबंधन मंत्री ने ट्राइबल लाइटनिंग रेजिलिएंस प्रोग्राम पर चर्चा की और कहा के यह बहुत अच्छी बात है कि एक्सआईएसएस ने लाइटनिंग पर बात करने के लिए इस सेमिनार का आयोजन किया है जो इतना महत्वपूर्ण विषय है। लोगो में जागरूकता लाना महत्वपूर्ण है ताकि हम वज्रपात से हो रही दुर्घटनाओं को कम कर सकें और इसे ऊर्जा स्रोत के रूप में उपयोग कर सकें। इससे पहले कार्यक्रम में एक्सआईएसएस के निदेशक डॉजोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने एक स्वागत भाषण दिया। इसके बाद डॉ निरंजन साहू, एसोसिएट प्रोफेसर, एक्सआईएसएस द्वारा जानकारी साझा की गयी जिसमें उन्होंने इस परामर्श–सह–कार्यशाला और इसके महत्व का स्वर निर्धारित किया। कार्यशाला का उद्देश्य स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से झारखंड के सभी जिलों के आदिवासियों की विद्युत प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना है। कार्यशाला में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें अधिकारीगण, संस्थान के फैकल्टी, इन विषयों से सम्बंधित विशेषज्ञ, और एक्सआईएसएस के ग्रामीण प्रबंधन के छात्र शामिल थे।

AAJ NEWS